स्वतंत्रता संग्राम कालक्रम (1857–1947)

मुख्य कालक्रम

वर्ष	घटना	मुख्य तथ्य / महत्व
1857	1857 का विद्रोह	10 मई को मेरठ में मंगल पांडेय के विद्रोह से शुरू हुआ। मार्च (Mar) में बरकपुर इसका केंद्र बना। मुगल शासन प्रतीकात्मक रूप से समाप्त — बहादुर शाह द्वितीय को रंगून (बर्मा) निर्वासित कर दिया गया।
1858	भारत शासन अधिनियम 1858	ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त; भारत का शासन ब्रिटिश क्राउन के अधीन हुआ। रानी की घोषणा जारी।
1885	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना	बंबई में स्थापना; संस्थापक ए. ओ. ह्यूम; प्रथम अधिवेशन के अध्यक्ष डब्ल्यू. सी. बनर्जी।
1905	बंगाल विभाजन	लॉर्ड कर्जन द्वारा धार्मिक आधार पर विभाजन; 1911 में इसे रद्द किया गया।
1906	अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना	ढाका में स्थापना।
1907	सूरत विभाजन	कांग्रेस दो गुटों — नरम दल (Moderates) और गरम दल (Extremists) में विभाजित हुई।
1909	मॉर्ले-मिंटो सुधार	भारतीय परिषद अधिनियम 1909; मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडलों की शुरुआत।
1916	लखनऊ समझौता	कांग्रेस-लीग एकता; इसी वर्ष तिलक और एनी बेसेंट द्वारा होमरुल आंदोलन भी प्रारंभ।
1917	चंपारण सत्याग्रह	गांधीजी का भारत की भूमि पर पहला जन आंदोलन (नील किसानों, बिहार के समर्थन में)।
1919	रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग	13 अप्रैल को अमृतसर में जनरल डायर द्वारा नरसंहार; उसी वर्ष भारत शासन अधिनियम 1919 (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार) लागू।
1920–22	असहयोग आंदोलन	खिलाफत आंदोलन के बाद प्रारंभ; चौरी-चौरा कांड (फरवरी 1922) के बाद वापस लिया गया।

प्रमुख कालक्रम (1928–1947)

प्रमुख कालक्रम

वर्ष	घटना	मुख्य तथ्य / महत्त्व
1928	साइमन कमीशन	समस्त ब्रिटिश पैनल ने "साइमन गो बैक" के विरोध प्रदर्शन को उत्तेजित किया; लाला लाजपत राय गंभीर रूप से घायल हुए।
1929	पूर्ण स्वराज प्रस्ताव	लाहौर अधिवेशन में पारित; 26 जनवरी 1930 को 1947 तक स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया गया।
1930	दांडी मार्च / सविनय अवज्ञा आंदोलन	12 मार्च–6 अप्रैल, 240 मील का नमक मार्च; नमक कानून तोड़कर आरंभ किया गया।
1930–32	गोलमेज सम्मेलन	लंदन में तीन सम्मेलन; गांधीजी केवल दूसरे (1931) में शामिल हुए, जो गांधी-इरविन समझौते के बाद हुआ।
1935	भारत शासन अधिनियम 1935	प्रांतीय स्वायत्तता की व्यवस्था; भविष्य के संविधान के लिए संरचनात्मक आधार प्रदान किया।
1939	कांग्रेस मंत्रिमंडलों का इस्तीफा	बिना परामर्श के भारत को द्वितीय विश्वयुद्ध में झोंकने के विरोध में त्यागपत्र दिया।
1940	लाहौर प्रस्ताव	मुस्लिम लीग द्वारा एक पृथक राष्ट्र की औपचारिक मांग प्रस्तुत की गई।
1942	भारत छोड़ो आंदोलन	8 अगस्त को "करो या मरो" का आहान; क्रिप्स मिशन (मार्च 1942) की असफलता के बाद आरंभ हुआ।
1943–45	आज़ाद हिंद फौज (INA)	नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में; 1945 में लाल किले में INA के सैनिकों पर मुकदमे चले।
1946	कैबिनेट मिशन योजना और प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस	अंतरिम सरकार का गठन; 16 अगस्त को प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस मनाया गया।
1947	माउंटबैटन योजना और स्वतंत्रता	योजना की घोषणा 3 जून को; भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 18 जुलाई को पारित हुआ; भारत 15 अगस्त को स्वतंत्र हुआ (विभाजन के साथ)।

★ प्रमुख विधायिकाएँ : एक नज़र में ★

अधिनियम / समझौता	वर्ष	मुख्य प्रावधान
भारत शासन अधिनियम	1858	कंपनी शासन समाप्त हुआ; भारत का शासन सीधे ब्रिटिश क्राउन द्वारा किया गया।
भारतीय परिषद अधिनियम	1909	मॉर्ले-मिण्टो सुधार; मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडलों की शुरूआत।
भारत शासन अधिनियम	1919	मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार; प्रांतों में दायरश्मा (द्वैध शासन) की शुरूआत।
भारत शासन अधिनियम	1935	प्रांतीय स्वायत्तता, संघीय ढांचा — संविधान के लिए रूपरेखा प्रदान की।
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम	1947	18 जुलाई 1947 को पारित; 15 अगस्त से भारत और पाकिस्तान दो डोमिनियन बने।

त्वरित पुनरावृति

- पहला भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन (1885, बंबई): 72 प्रतिनिधि उपस्थित थे; अध्यक्ष डब्ल्यू. सी. बनर्जी थे।
- 1920 से पहले गांधीजी के तीन प्रमुख आंदोलन: **चम्पारण सत्याग्रह (1917), अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918), खेड़ा सत्याग्रह (1918)।**
- जालियांवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल 1919) बैसाखी के दिन हुआ; उदम सिंह ने बाद में लंदन (1940) में बदला लिया।
- साइमन कमीशन (1928) में एक भी भारतीय सदस्य नहीं था — यह पूरे देश में विरोध का मुख्य कारण बना।
- 26 जनवरी 1930 से 1947 तक "स्वतंत्रता दिवस" के रूप में मनाया गया; 1950 में इसे केवल गणतंत्र दिवस के लिए पुनर्निधारित किया गया।
- क्रिप्स मिशन (मार्च 1942) को गांधीजी ने अस्वीकार किया और इसे **"पोस्ट-डेटेड चेक"** कहा।
- आज़ाद हिंन्द फौज की चार प्रमुख ब्रिगेड गांधी, नेहरू, आज़ाद और सुभाष के नाम पर रखी गई; रानी झांसी रेजिमेंट का नेतृत्व कैप्टन लक्ष्मी सहगल ने किया।
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 को 18 जुलाई को राजकीय स्वीकृति मिली — सत्ता हस्तांतरण से ठीक 28 दिन पहले।